

प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 20 दिसम्बर, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज सरस्वती विद्या मंदिर, रत्नपुर, टुंडी, धनबाद में आयोजित प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए बच्चों को खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करना अत्यन्त सुखद है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि खेलकूद केवल पदक या पुरस्कार प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह जीवन के मूल्यों का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि खेल भावना अनुशासन सिखाते हैं, हार को सहजता से स्वीकार करना और जीत को विनम्रता के साथ आत्मसात करना सिखाते हैं। इससे सहयोग, नेतृत्व, समय-प्रबंधन तथा लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे गुण विकसित होते हैं, जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना एक स्वस्थ, सशक्त और आत्मविश्वासी समाज के निर्माण की मजबूत आधारशिला है।

माननीय राज्यपाल ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली से संबद्ध विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना के संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शहरी, ग्रामीण, जनजातीय एवं उपेक्षित क्षेत्रों में विद्यालयों और संस्कार केन्द्रों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया कि इन संस्थानों में बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के भैया-बहन अध्ययनरत हैं और अपनी प्रतिभा के बल पर निरंतर प्रगति कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वनवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार अनेक चुनौतियों से भरा रहा है, किंतु जब कोई संगठन निःस्वार्थ भाव से शिक्षा का दीप प्रज्वलित करता है, तो वह केवल विद्यालय नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि 18 दिसंबर से प्रारंभ इस प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में लगभग 500 प्रतिभागियों की सहभागिता यह दर्शाती है कि यहाँ बच्चों में खेलों के प्रति उत्साह और आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प निरंतर सशक्त हो रहा है। ऐसे आयोजन प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से देश में खेलों को नई दिशा मिली है। हाल ही में घोषित 'राष्ट्रीय खेल नीति-2025' भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की धरती सदैव से खेल प्रतिभाओं से समृद्ध रही है। इस राज्य ने क्रिकेट जगत को महेन्द्र सिंह धौनी जैसे विश्वविख्यात खिलाड़ी दिए, जिनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने वर्ष 2011 में विश्व कप हासिल करने का गौरव प्राप्त किया। झारखण्ड को खेल जगत में 'लैंड ऑफ आर्चरी' के रूप में भी जाना जाता है। दीपिका कुमारी जैसी विश्वस्तरीय तीरंदाज तथा अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोच पूर्णिमा महतो ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन किया है। हॉकी के क्षेत्र में सलिमा टेटे और निक्की प्रधान जैसी खिलाड़ियों ने भी वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए गर्व का विषय है कि भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान झारखण्ड की बेटी सलिमा टेटे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड की मिट्टी में संघर्ष, परिश्रम और समर्पण की भावना स्वाभाविक रूप से समाहित

है। आवश्यकता है कि विद्यालय स्तर से ही बच्चों में खेलों के प्रति अभिरुचि को प्रोत्साहित किया जाए तथा उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से निकले अनेक भैया-बहन भविष्य में राज्य और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज गूँज परिवार द्वारा सोनाहातु, राँची में झारखण्ड आंदोलन के महानायक एवं समाज सुधारक स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी का जीवन झारखण्ड की अस्मिता, संघर्ष, स्वाभिमान और सामाजिक चेतना का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी केवल एक जननेता ही नहीं, बल्कि प्रखर शिक्षाविद, संवेदनशील अधिवक्ता और शोषित-वंचित समाज की आवाज थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानते हुए उन्होंने झारखण्ड आंदोलन को वैचारिक दिशा प्रदान की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड राज्य के गठन के लिए स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जैसे तपस्वी व्यक्तित्वों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष, आत्मसम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देती रहेगी तथा युवाओं को अपने समाज और राज्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में जननायकों, स्वतंत्रता सेनानियों और सामाजिक आंदोलनों से जुड़े महापुरुषों के योगदान को सम्मान देने की परंपरा को नई ऊर्जा मिली है। इससे युवा पीढ़ी अपने इतिहास, मूल्यों और संघर्षों से प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उन्हें हर्ष है कि गूँज परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित ‘गुंज महोत्सव’ समाज को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मंच है, जो विविध पृष्ठभूमियों के लोगों को एकता, सद्भाव और सौहार्द के सूत्र में बाँधता है। इस महोत्सव के माध्यम से अनेक प्रतिभाओं को अपनी कला और कौशल के प्रदर्शन का अवसर भी मिलता है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री सुदेश महतो तथा गूँज परिवार द्वारा इस प्रकार के किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी के प्रसिद्ध संदेश “पढ़ो और लड़ो” को आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनके नाम पर स्थापित बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय उनके शिक्षा-स्वप्न को साकार करने की दिशा में सतत प्रयास कर रहा है।

राज्यपाल महोदय ने स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कामना की कि उनका विचार-दर्शन समाज को सदैव सामाजिक न्याय, समानता और जनकल्याण के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा।

इस अवसर पर सांस्कृतिक समारोह भी प्रस्तुत किये गये। राज्यपाल महोदय ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की।
